

मणिपुर में फिर आग, तीन नागा गांवों पर हमला; 30 घर जले, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल



रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

मणिपुर में शांति की उम्मीद एक बार फिर हिंसा की आग में धुआं हो गई। कांगपोकपी जिले में मंगलवार तड़के हथियारबंद लोगों ने तीन लियांगमई नागा गांवों को निशाना बनाया। पुलिस के मुताबिक तापन खुल्लेन, तापन खुनौ और मकुई पीपुराम में करीब चार बजे हमला शुरू हुआ। कम से कम 30 घरों के साथ वाहन और दूसरी संपत्तियां आग की भेंट चढ़ गईं, जबकि एक ग्रामीण के घायल होने की खबर है। यह घटना इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इससे ठीक एक दिन पहले इसी जिले में तीन कुकी नागरिकों की अलग-अलग गोलीबारी में मौत हुई थी। लगातार हो रही जवाबी हिंसा ने इम्फाल-तामेंगलों मार्ग के आसपास बसे गांवों की सुरक्षा

पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि गांवों तक हथियारबंद हमलावर पहुंचते हैं, गोलियां चलती हैं और घर जला दिए जाते हैं। इसके बावजूद सुरक्षा बलों की मौजूदगी हिंसा रोकने में कितनी प्रभावी है, यह सवाल अब स्थानीय लोगों के बीच खुलकर उठ रहा है। पुलिस और केंद्रीय बलों ने इलाके में अतिरिक्त तैनाती कर तलाशी अभियान शुरू किया है। हमले की जिम्मेदारी अभी किसी संगठन ने आधिकारिक रूप से नहीं ली है। यही वजह है कि आरोपों और दावों के बीच जांच निष्पक्ष तरीके से होना जरूरी है। मणिपुर में अब सिर्फ सुरक्षा बल बढ़ाना पर्याप्त नहीं—हमलावरों की पहचान, हथियारों की पहुंच और खुफिया तंत्र की नाकामी, तीनों का जवाब चाहिए।

‘सबसे बड़ा हमला अभी बाकी’, ट्रंप की धमकी पर ईरान का पलटवार-‘अमेरिका को पछताना पड़ेगा’



रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेना ने ईरान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के ठिकानों पर ताजा हमले किए हैं। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों और क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने की कथित कोशिशों के जवाब में की गई। हमलों के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को बेहद कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने

कहा कि अगर ईरान ने जवाबी कार्रवाई की तो अमेरिका और भी ज्यादा ताकत से हमला करेगा। ट्रंप ने यहां तक कहा कि ‘सबसे बड़ा हमला’ अभी बाकी है और उसके बाद ईरान के इस्लामिक गणराज्य के लिए हालात बेहद गंभीर हो सकते हैं।

ईरान ने भी पीछे हटने के संकेत नहीं दिए। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रवक्ता होसैन मोहेबी ने चेतावनी दी कि अमेरिका को अपने नए हमलों पर पछताना पड़ेगा और हमलावरों को गंभीर सजा दी जाएगी। इसके बाद ईरान की ओर से क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की

खबरें सामने आईं। सबसे बड़ी चिंता अब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है। यहां सैन्य तनाव बढ़ने का सीधा असर वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों पर पड़ सकता है। यानी मामला अब सिर्फ अमेरिका और ईरान की बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा। *एक तरफ ट्रंप का ‘सबसे बड़ा हमला’ का अल्टीमेटम है, दूसरी तरफ तेहरान का ‘पछताने’ का जवाब—अगर दोनों में से किसी ने अगला कदम बढ़ाया तो पूरा मध्य पूर्व फिर बड़ी जंग की आग में झुलस सकता है।

हिमालय में एक महीने में 130 से ज्यादा झटके क्या आने वाली बड़ी हलचल का संकेत है?

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

हिमालयी क्षेत्र में अगस्त 2026 के दौरान 130 से ज्यादा भूकंपीय घटनाएं दर्ज होने की रिपोर्ट ने एक बार फिर इस संवेदनशील इलाके की चिंता बढ़ा दी है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्र में लगातार छोटे-बड़े झटके दर्ज किए गए। हिमालय दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में है,



क्योंकि भारतीय प्लेट लगातार यूरेशियन प्लेट की ओर बढ़ रही है और इसी

भूगर्भीय दबाव से भूकंप का खतरा बना रहता है। लेकिन 130 से ज्यादा

झटकों का मतलब यह नहीं कि कोई बड़ा भूकंप निश्चित रूप से आने वाला है। वैज्ञानिकों के लिए असली चुनौती इन घटनाओं के पैटर्न को समझना है। कई छोटे भूकंप सामान्य भूगर्भीय गतिविधि का हिस्सा होते हैं और जरूरी नहीं कि वे किसी बड़े भूकंप की भविष्यवाणी करें। भारत के लिए चिंता इसलिए ज्यादा है क्योंकि हिमालयी पट्टी के आसपास जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और पूर्वोत्तर के बड़े हिस्से भूकंप की

दृष्टि से संवेदनशील हैं। यहां तेजी से बढ़ते शहर, पहाड़ी ढलानों पर निर्माण और कमजोर ढांचागत व्यवस्था खतरे को और गंभीर बना सकती है। सबसे बड़ा सवाल भूकंप के झटकों की संख्या नहीं, हमारी तैयारी है। अगर हिमालयी क्षेत्र में कभी बड़ा भूकंप आता है तो क्या पहाड़ी शहरों की इमारतें उसका सामना कर पाएंगी? क्या अस्पताल, सड़कें और पुल सुरक्षित रहेंगे? वैज्ञानिक भूकंप की सटीक तारीख बताने की स्थिति में नहीं हैं।

राणापुर पुलिस ने मात्र 10 घंटे में लूट की वारदात का किया खुलासा

करीब 3.90 लाख रुपये का मश्रुका बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

सलीम हुसैन

झाबुआ। दिनांक 01.09.2026 को प्रातः करीब 08:00 बजे ग्राम छापरी, राणापुर स्थित वगई रोड गिट्टी खदान के पास दो अज्ञात बदमाश मोटरसाइकिल से आए और फरियादी संतोष पिता रामू जाति डामोर, उम्र 18 वर्ष, निवासी भुतबयड़ा के साथ मारपीट कर उसकी यामाहा MT-15 मोटरसाइकिल क्रमांक MP09BP4320, कीमत करीब 2,10,000 रुपये, तथा 500 ग्राम वजनी चांदी का कड़ा, कीमत करीब 1,30,000 रुपये, छीनकर फरार हो गए। घटना में कुल करीब 3,40,000 रुपये का मश्रुका लूटा गया। फरियादी की सूचना पर थाना राणापुर में अपराध क्रमांक 443/2026, धारा 309(4) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ देवेन्द्र पाटीदार द्वारा लूट की वारदात का शीघ्र खुलासा करने हेतु सख्त



निर्देश दिए गए। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपालसिंह महोबिया एवं एसडीओपी झाबुआ कमलेश शर्मा के मार्गदर्शन में इंचार्ज थाना प्रभारी राणापुर उपनिरीक्षक के.सी. सिर्वी द्वारा तत्काल अलग-अलग पुलिस टीमों का

गठन कर कार्रवाई प्रारंभ की गई तथा थाना क्षेत्र में मुखबिर तंत्र को सक्रिय एवं मजबूत किया गया।

पुलिस टीमों द्वारा लगातार किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप मुखबिर सूचना के आधार पर दो आरोपियों- दिनेश पिता अमरसिंह सोलंकी, उम्र 19

वर्ष, निवासी ग्राम छापरी- सुरेश पिता भगतसिंह डावर, उम्र 20 वर्ष, निवासी भुतखेड़ी को अभिरक्षा में लेकर पृच्छाछ की गई। आरोपियों के कब्जे से लूटी गई यामाहा MT-15 मोटरसाइकिल क्रमांक MP09BP4320, 500 ग्राम वजनी चांदी का कड़ा तथा घटना में प्रयुक्त स्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक MP45MH2359 विधिवत जप्त की गई।

इस प्रकार राणापुर पुलिस ने मात्र 10 घंटे के भीतर लूट की वारदात का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए करीब 3,90,000 रुपये का मश्रुका बरामद किया। जप्त मश्रुका यामाहा MT-15 मोटरसाइकिल क्रमांक MP09BP4320-कीमत करीब 2,10,000 रुपये। स्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक MP45MH2359-कीमत करीब 50,000 रुपये। चांदी का कड़ा, वजन 500 ग्राम- कीमत करीब 1,30,000 रुपये।

कुल जप्त मश्रुका- करीब 3,90,000 रुपये। गिरफ्तार आरोपी- दिनेश पिता अमरसिंह सोलंकी, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम छापरी। सुरेश पिता भगतसिंह डावर, उम्र 20 वर्ष, निवासी भुतखेड़ी।

झूला ग्राउंड में श्रद्धा के साथ मनाया कमरछठ पर्व, माताओं ने रखा निर्जला व्रत

कोरबा। वार्ड क्रमांक 19 स्थित झूला ग्राउंड, सीएसईबी कॉलोनी कोरबा पूर्व में माताओं ने संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर श्रद्धापूर्वक कमरछठ (हलषष्ठी) व्रत रखा। इस अवसर पर महिलाओं ने पूरे दिन निर्जला व्रत रखकर विधि-विधान से षष्ठी माता की पूजा-अर्चना की और अपने पुत्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कमरछठ का पर्व मातृत्व की आस्था और संतान के प्रति समर्पण का प्रतीक माना जाता है। व्रत रखने वाली माताएं इस दिन बिना अन्न-जल ग्रहण किए उपवास करती हैं।

पूजा में विशेष रूप से भैंस के दूध तथा पसहर चावल का उपयोग किया जाता है। महिलाओं ने पारंपरिक रूप से पूजा की थाली सजाकर षष्ठी माता की आराधना की तथा परिवार की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की।

धार्मिक मान्यता के अनुसार कमरछठ पर्व भगवान श्रीकृष्ण के बड़े



भाई भगवान बलराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। भगवान बलराम का प्रमुख अस्त्र हल माना जाता है, जिसके कारण इस पर्व को हलषष्ठी या हलछठ भी कहा जाता है। इस दिन माताएं भगवान शिव-पार्वती और षष्ठी माता की पूजा-अर्चना कर संतान की लंबी आयु और निरोगी जीवन की कामना करती हैं। झूला ग्राउंड में

आयोजित पूजा के दौरान महिलाओं में पर्व को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली। महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। माताओं ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए संतान की खुशहाली और परिवार की समृद्धि की कामना की।

झाबुआ के मुख्य मार्ग पर अवैध अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर



सलीम हुसैन

प्रशासन का सख्त एक्शन: विजय स्तंभ से छतरी चौक तक हटा अतिक्रमण, अब चौड़ी नजर आएगी सड़क- एसडीएम के नेतृत्व में प्रशासन का अतिक्रमण हटाओ अभियान। नगर पालिका, राजस्व विभाग और भारी पुलिस बल की संयुक्त कार्रवाई। अवैध गुमटियां और हाथ ठेले हटने से टला दुर्घटनाओं का खतरा।

झाबुआ। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने एक बड़ी और सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसडीएम महेश मंडलोई के नेतृत्व में विजय स्तंभ से लेकर छतरी चौक तक के प्रमुख मार्ग को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस सघन अभियान में नगर पालिका, राजस्व विभाग और पुलिस बल की संयुक्त टीम ने एक साथ मोर्चा संभाला। कार्रवाई के दौरान सड़क के दोनों किनारों पर अवैध रूप से खड़े किए गए हाथ ठेलों, लगाई गई गुमटियों

और अन्य अस्थायी कब्जों को सख्ती से हटा दिया गया। इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल मुस्तैद रहा।

कार्रवाई का असर और लोगों को राहत- लंबे समय से इस मार्ग पर अतिक्रमण होने के कारण सड़क काफी संकरी हो गई थी, जिससे दिन भर जाम की स्थिति बनी रहती थी और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अवैध कब्जों के हटते ही अब यह सड़क काफी चौड़ी और साफ नजर आने लगी है। इस महत्वपूर्ण कदम से न केवल आवागमन सुगम हुआ है, बल्कि संकरे रास्ते की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं की संभावना भी काफी हद तक टल गई है। वाहन चालकों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन के इस कदम पर राहत की सांस ली है। प्रशासन ने सख्त हिदायत दी है कि यदि दोबारा इस क्षेत्र में अतिक्रमण करने का प्रयास किया गया, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा 1 के वार्ड 12 की 2.25 करोड़ की अमृत 2.0 नर्मदा लाइन की सौगात

सह संपादक अनिल चौधरी

पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने महापौर पुष्पमित्र भार्गव के साथ किया भूमिपूजन

आकाश विजयवर्गीय ने अधिकारियों को मंच पर बुलाकर जनता के सामने खड़ा किया और जानकारी देने को कहा

भरी सभा में अधिकारियों को आकाश विजयवर्गीय ने जनता की अदालत में किया पेश, माइक थमाकर जानकारी देने को कहा

40 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन से 25 हजार से ज्यादा लोगों को मिलेगी पेयजल की स्थाई सुविधा - आकाश विजयवर्गीय

इंदौर - बुधवार दिनांक 2 सितंबर को नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय एवं महापौर ने विधानसभा 1 के वार्ड 12 को 2 करोड़ 25 लाख की लागत की अमृत 2.0 नर्मदा लाइन का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर आकाश विजयवर्गीय ने विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों से जवाब मांगा और उनसे कहा कि आप यहां पर उपस्थित जनता को यह बतलाइये कि नर्मदा लाइन के इस प्रोजेक्ट का कार्य कब तक पूरा होगा और योजना से कितनी कॉलोनियां और कितने लोगों को फायदा मिलेगा। उन्होंने नगर नगम के अधिकारियों को मंच पर बुलाकर जनता को जानकारी देने को कहा।

जनता को विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त करने का पूरा हक है - आकाश विजयवर्गीय

आकाश विजयवर्गीय ने कहा कि विकास कार्य समय पर शुरू हो और समयावधि में पूर्ण हो इसके लिए जिन अधिकारियों की जवाबदारी है वह मंच पर आए और समस्त जानकारी विस्तार से जनता को दें। उन्होंने कहा कि चल रहे विकास कार्यों के



संबंध में सभी को जानने का हक है। अधिकारी गण और निगम इंजीनियर शुभम ने जानकारी देते हुए कहा कि नर्मदा की यह पाइप लाइन 40 किलोमीटर लंबी होगी और 6 महीने में इसका काम पूर्ण होगा। इस नर्मदा लाइन का फायदा गंगा बाग कॉलोनी, कुशवाह श्री नगर, कमला नगर, भगत सिंह नगर, गोविंद नगर, राजबाग कॉलोनी, यादव नगर, कर्मा नगर, शीतल नगर के रहवासियों को मिलेगा। इस लाइन का कार्य कल यानी गुरुवार 3 अगस्त से शुरू हो जाएगा। संकरे रोड होने के कारण कार्य मशीनों की बजाय मानव श्रम से किया जाएगा, जिससे थोड़ा कार्य में वक्त लग सकता है। रहवासियों को कार्य से तकलीफ ना हो इसका खास ख्याल रखा जाएगा। आकाश विजयवर्गीय ने अधिकारियों से कहा कि कार्य में किसी तरह की कोताही नहीं होना चाहिये और कार्य के पूर्ण होने पर जनता की पेयजल की समस्या का समाधान पूरी तरह से होना चाहिये। कार्य पूर्ण होना जिम्मेदारियों से मुक्त होना नहीं है, जनता को इसका लाभ मिलना चाहिये। इसी गंभीरता से आपको कार्य करना है।

शिक्षा से लेकर पेयजल तक की हो रही है बेहतर व्यवस्था - आकाश विजयवर्गीय

उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए आकाश विजयवर्गीय ने कहा कि नर्मदा जल की यह महत्वाकांक्षी योजना सुचारु रूप

से व्यवस्थित तरीके से हो इसलिए आज हमने नगर निगम के अधिकारियों और महापौर जी से लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को बुलाया है। जबसे कैलाश विजयवर्गीय जी विधायक बने हैं तबसे हमने क्षेत्र की समस्याओं को समझा है और सड़क, ड्रेनेज से लेकर पेयजल हर मोर्चे पर कार्य कर रहे हैं और ज्यादातर समस्याओं का क्षेत्र में समाधान हो चुका है और यदि कहीं कोई समस्या है और उसको प्राथमिकता के आधार पर हल करने की कोशिश की जा रही है। स्कूलों को माडर्न बनाने का काम किया जा रहा है। स्कूलों में बेहतर फर्नीचर, कम्प्यूटर, वाटर कूलर आदी की व्यवस्था की गई है। इसी तरह आंगनवाड़ियों को सर्वसुविधा युक्त किया जा रहा है। सबको अच्छा स्वास्थ्य मिले इसके लिए संजीवनी क्लिनिक की व्यवस्था की गई है।

क्षेत्र के गार्डन में झूलने और ओपन जिम की व्यवस्था की गई है। कैलाश विजयवर्गीय जी ने इस विधानसभा को कैसर मुक्त करनेका संकल्प लिया है इसलिए यदि किसी को कैसर है तो उनके लिए कैलाश विजयवर्गीय जी की ओर से शहर के चुनिंदा अस्पतालों में मुफ्त सर्जरी की व्यवस्था की गई है।

शहर में बन रही है 40 पानी की टंकियां- पुष्पमित्र भार्गव

महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने कहा कि देश में दो शहर ऐसे हैं जहां सबसे महंगा पानी मिलता है पहले नंबर पर शिमला है और दूसरे नंबर पर इंदौर है। इंदौर में प्रति व्यक्ति पानी की लागत 1 हजार रुपये है। हमारे यहां 70 किलोमीटर दूर से पानी आता है। शहर में पानी के लिए 40 टंकियां बन रही हैं। नर्मदा का चौथा चरण का काम शुरू हो गया है और यह पानी 2047 तक के लिए पर्याप्त होगा।

क्षतिग्रस्त लाइनों को बदला जाएगा

इस लाइन के डलने से स्थानीय रहवासियों की करीब 25 साल पुरानी मांग पूरी हो जाएगी। कई जगहों पर पेयजल पाइप के पुरानी और क्षतिग्रस्त होने से पानी के मटमैला होने की शिकायतें आ रही हैं और साथ ही कुछ स्थानों पर वर्तमान में बोरवेल से पानी सप्लाई किया जा रहा है। इस नर्मदा लाइन के डलने के बाद सभी स्थानों पर सभी रहवासियों को नर्मदा जल उपलब्ध होगा। इस पाइप लाइन का लाभ क्षेत्र की 25 हजार से ज्यादा की आबादी को मिलेगा। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर आकाश विजयवर्गीय का हार-फूलों, ढोल-ताशों से भव्य स्वागत किया। शुभारंभ के अवसर पर पार्षद सीमा कृष्ण वल्लभ डाबी, मंडल अध्यक्ष, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी मौजूद थे।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें
सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

पिटोल पुलिस की जुआ-सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई, 5 आरोपियों पर प्रकरण दर्ज

सलीम हुसैन

पिटोल। पुलिस द्वारा कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर हरिजन मोहल्ला पिटोल में दबिश देकर ताश पत्ती पर रुपये-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे 04 आरोपियों को पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे एवं मौके से कुल 2,47,010/- का मशरूका जप्त कर उनके विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस चौकी पिटोल की टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि हरिजन मोहल्ला पिटोल में कुछ व्यक्ति रुपये-पैसे का दांव लगाकर ताश पत्ती से जुआ खेल रहे हैं। सूचना की तत्पश्चात के बाद पुलिस टीम द्वारा मौके पर दबिश दी गई, जहां निम्न आरोपियों को जुआ खेलते पकड़ा गया—मुकेश पिता प्रेमसिंह बंजारा, उम्र 43 वर्ष, निवासी गोधरा रोड, फ्रिल्डेगंज, दाहोद, गुजरात। अलजी पिता पानसिंह बिलवाल, उम्र 50 वर्ष, निवासी माण्डली बड़ी। पंकेश पिता जिमाल भाबोर, उम्र 30 वर्ष, निवासी खापरिया, दाहोद, गुजरात। मुकेश पिता बालु बिलवाल, उम्र 40 वर्ष, निवासी माण्डली बड़ी। आरोपियों के कब्जे एवं मौके से 03 मोबाइल फोन कीमत 75,000/-, एक टीवीएस स्कूटी कीमत 80,000/-, एक मोटरसाइकिल कीमत 85,000/-, जुआ राशि 7,010/- एवं ताश पत्ती जप्त की गई। इस प्रकार कुल 2,47,010/- का मशरूका जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

श्री कृष्ण द्वारा वर्णित योगक्षेम की अनुभूति ही है सहजयोग

योग - परमात्मा से एकाकारिता
क्षेम - जीवन का कल्याण

आज से लगभग छः हजार वर्ष पूर्व श्री कृष्ण का अवतरण हुआ। श्री कृष्ण लीला मथुरा के कारागृह से प्रारंभ होकर द्वारिका के विनाश पर समाप्त होती है। हम सभी उनकी विभिन्न लीलाओं से भलीभांति परिचित हैं। उनका प्रत्येक कार्य विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया गया था, तथा इनके माध्यम से आने वाले युग की नींव उनके द्वारा स्थापित की गई। कलियुग में भ्रांति की प्रधानता है परंतु यही पुनरुत्थान व सत्य की प्राप्ति का युग भी है। श्री कृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि जब जब धर्म की हानि हो तब तब मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतरित होता हूं।

धर्म की वास्तविक स्थापना उनके द्वारा महाभारत के युद्ध में की जाती है जहां वे अर्जुन को गीता का संदेश देते हैं। गीता कोई एक किताब नहीं जिसका शाब्दिक अनुवाद किया जा सके। गीता भगवान कृष्ण के भक्ति योग, कर्म योग, व ज्ञान योग की एक जीवंत प्रस्तुति है। परंतु गीता के योग को समझने के लिए साधक को पहले योगी होना



होगा क्योंकि गीता अनन्य भक्ति, निष्काम काम व सहज ज्ञान का उपदेश देती है। जिसे समझना आत्म साक्षात्कार की प्राप्ति के बिना संभव नहीं।

वास्तव में गीता में भगवान श्री कृष्ण आज के सहज योग का वर्णन करते हैं वे कहते हैं, आपको

सभी धर्मों से परे जाना है। मनुष्य के अंदर के साधक को वे यह संदेश देते हैं कि उसे सत्य की पहचान करनी होगी, साक्षी स्वरूप होना होगा, कर्मकांड को छोड़ना होगा, संतुलन को प्राप्त कर गुणातीत, कालातीत व धर्मातीत हो कर कर्मयोग को अपना साधन बनाना होगा।

श्रीकृष्ण का अपने भक्तों को संदेश है- योगक्षेम 'वहाम्यहम्'-अप्राप्त वस्तुकी प्राप्ति करा देना 'योग' है और प्राप्त सामग्री की रक्षा करना 'क्षेम' है। भगवान् कहते हैं कि मुझ में नित्य-निरन्तर लगे हुए भक्तों का योगक्षेम मैं वहन करता हूं। श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित सहजयोग योगक्षेम प्रदान करने वाला सहज मार्ग है। सहजयोग में कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति होती है और तब साधक श्री कृष्ण को आत्मसात कर अनन्य भक्ति को प्राप्त कर लेता है।

पूर्णतः निःशुल्क, आध्यात्मिक व वैज्ञानिक ध्यान पद्धति सहजयोग का आनंद और अनगिनत लाभ लेने हेतु आप जानकारी टोल फ्री नं- 1800 2700 800 अथवा वेबसाइट -www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।



Bright Future

LEARNING ACADEMY

An Initiative by

RANJEET TIMES GROUP

ADMISSIONS OPEN

2026-27

KG-1 to Class 10



QUALITY EDUCATION



EXPERIENCED FACULTY



VALUES & DISCIPLINE



HOLISTIC DEVELOPMENT

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता



प्रवेश हेतु संपर्क करें

9827068888

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY

An Initiative by

RANJEET TIMES GROUP



आधुनिक शिक्षा



अनुभवी शिक्षक



सुरक्षित परिसर



सर्वांगीण विकास

चौकी पिटोल थाना
कोतवाली झाबुआ पुलिस
ने चोरी की घटना का
किया पर्दाफाश, तीन
आरोपी गिरफ्तार

झाबुआ पुलिस द्वारा ग्राम कालाखुंट में 19 अगस्त को कच्चे मकान की दीवार खोदकर चांदी के आभूषण एवं नगदी चोरी करने की घटना का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए चांदी के आभूषण, पानी की मोटर के वायर का बंडल तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित कुल मश्रुका बरामद किया गया है। 19 अगस्त की रात्रि ग्राम कालाखुंट निवासी चुनकीबाई पति मंडिया बबेरिया अपने परिवार के सदस्यों के साथ घर में सो रही थीं। रात्रि करीब 2:30 बजे घर के पीछे की दीवार खोदने की आवाज सुनाई देने पर फरियादिया एवं परिवार के सदस्यों ने उठकर देखा, तो एक अज्ञात व्यक्ति घर के अंदर से बाहर जाते हुए दिखाई दिया। बाद में घर की तलाशी लेने पर ड्रम में रखी नगदी राशि तथा जमीन में गाड़कर रखे इस्तेमाली चांदी के आभूषण एवं नगदी रुपये गायब मिले। इसके अलावा घर के बाहर खेत में रखा पानी की मोटर के वायर का बंडल भी अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए थे। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली झाबुआ में अपराध क्रमांक 0784/2026, धारा 331(4), 305(ए) बी.एन.एस. के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक झाबुआ देवेन्द्र पाटीदार के निर्देशन मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक आर.सी. भास्करे एवं चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक बघेल के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई।

राहुल गांधी की गूंज : कांग्रेस का शोर, भाजपा का सुकून!

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

देश की राजनीति में इन दिनों एक अजीब कमाल हो रहा है। सड़क पर छात्रों की गूंज है, इंटरनेट मीडिया पर विरोध की गूंज है और इन सबके बीच राहुल गांधी की गूंज भी लगातार बढ़ रही है। कांग्रेस को लगता है कि वह भाजपा सरकारों को घेर रही है, लेकिन राजनीतिक दृश्य का दूसरा पहलू यह है कि राहुल गांधी के कई मुद्दे भाजपा के लिए भी किसी चुनावी उपहार से कम नहीं दिखाई देते। राहुल गांधी अब सिर्फ नेता नहीं, चलता-फिरता राजनीतिक कंटेंट बन चुके हैं। वे बोलते हैं तो खबर बनती है, पोस्ट करते हैं तो बहस शुरू होती है और किसी धार्मिक या सांस्कृतिक विषय पर टिप्पणी करते हैं तो भाजपा का प्रचार तंत्र सक्रिय हो जाता है। कांग्रेस को इससे कितने वोट मिलेंगे, यह कहना मुश्किल है, लेकिन भाजपा को अपना मुद्दा समझाने का मौका जरूर मिल जाता है।

कांग्रेस के पतन की कहानी में दो पुराने अध्याय बार-बार सामने आते हैं—घोटाले और मुस्लिम तुष्टिकरण। विडंबना यह है कि राहुल गांधी और कांग्रेस इन दोनों आरोपों की राजनीतिक छाया से अब तक पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाए हैं। भाजपा सरकारों में भ्रष्टाचार नहीं है, ऐसा कोई दावा नहीं कर सकता। गड़बड़ियां होंगी, सवाल भी होंगे। लेकिन कांग्रेस उन सवालों को ऐसा प्रमाणिक राजनीतिक हथियार नहीं बना पा रही, जिससे सत्ता की नींव हिले। उलटे भाजपा अक्सर कांग्रेस के पुराने दावों को सामने रखकर पलटवार कर देती है।

राहुल गांधी जब जाति का मुद्दा उठाते हैं तो भाजपा उसे तुष्टिकरण से जोड़ देती है। जब वे सामाजिक न्याय की बात करते हैं तो बहस मुद्दे से हटकर वोट बैंक तक पहुंच जाती है। और जब वे हिंदू धर्म, सनातन संस्कृति या हिंदू ग्रंथों पर टिप्पणी करते हैं तो मामला देखते-देखते कांग्रेस बनाम हिंदू और भाजपा बनाम कांग्रेस की बहस में बदल जाता है। मनुस्मृति का मुद्दा इसका ताजा उदाहरण है। महिलाओं को पितृसत्ता के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार है और जिस बात में महिलाओं के अधिकारों की बात हो, उसका विरोध

करना तर्कसंगत नहीं। लेकिन राजनीति में मंच भी संदेश देता है और मंच पर मौजूद चेहरे भी। राहुल गांधी जिस मंच से मनुस्मृति पर हमला करते हैं, वहीं हिजाब पहने महिला की मौजूदगी भाजपा को वह राजनीतिक तस्वीर दे देती है, जिसकी उसे जरूरत होती है।

भाजपा फिर कहती है-मनुस्मृति तो बहाना है, पीछे मैकाले, मार्क्स और मौलाना हैं। कांग्रेस कहती है-भाजपा ध्रुवीकरण कर रही है। और जनता सोचती रह जाती है कि आखिर उसके रोजगार, महंगाई, सड़क, शिक्षा और अस्पताल की बारी कब आएगी? यानी दोनों तरफ पहलवान तैयार हैं। एक तुष्टिकरण का आरोप लगाता है, दूसरा ध्रुवीकरण का। सबसे दिलचस्प बात यह है कि राहुल गांधी की राजनीति का असर कांग्रेस की सीमा से बाहर जाता है। उनके समर्थक उनके हर बयान को प्रतिरोध की आवाज मानते हैं, विरोधी उसे भाजपा के लिए चुनावी ईंधन मानते हैं। कई लोगों को तो यह तक लगता है कि भाजपा की लगातार मजबूत होती राजनीति में राहुल गांधी की भी अनजाने में भूमिका है। क्योंकि भाजपा को राहुल गांधी से बड़ा राजनीतिक विरोधी चाहिए भी क्यों?

राहुल गांधी बोलते हैं—भाजपा जवाब देती है।

राहुल गांधी मुद्दा उठाते हैं—भाजपा उसे अपने पक्ष में मोड़ देती है।

राहुल गांधी मंच पर आते हैं—अगले दिन राजनीतिक बहस का केंद्र वही बन जाता है।

कांग्रेस को शायद यह लगता है कि राहुल गांधी भाजपा को घेर रहे हैं।

लेकिन भाजपा के समर्थक शायद सोचते हैं—राहुल गांधी जितना बोलेंगे, उतना हमारा प्रचार मुफ्त में होगा।

और यही भारतीय राजनीति का सबसे बड़ा व्यंग्य है—जिस नेता की आवाज कांग्रेस को सत्ता के करीब ले जाने के लिए उठ रही है, वही आवाज कभी-कभी भाजपा को सत्ता में सुरक्षित रखने वाली दीवार भी मजबूत कर देती है। अब सवाल राहुल गांधी का नहीं, कांग्रेस की रणनीति का है। क्या राहुल गांधी की गूंज कांग्रेस का जनाधार बढ़ाएगी? या फिर वही गूंज चुनाव आते-आते भाजपा के लिए सबसे मधुर राजनीतिक संगीत साबित होगी?

सिंधु जल संधि पर फैसला देने वाली पीठ पर बड़ा सवाल 5 में से 2 जजों का पाकिस्तान से सीधा जुड़ाव

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

31 अगस्त 2026 को हेग स्थित सिंधु जल विवाद की पंच सदस्यीय मध्यस्थता पीठ ने भारत की ओर से संधि को “अभ्यावस्था” में रखने के फैसले को स्वीकार नहीं किया और कहा कि संधि प्रभावी बनी हुई है। साथ ही रतले जलविद्युत परियोजना के कुछ निर्माण कार्यों पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश भी दिया। भारत ने इस फैसले को सिरे से खारिज करते हुए पीठ को ही अधिकारहीन और अवैध रूप से गठित बताया। पीठ में अमेरिका के सीन डी. मर्फी, बेल्जियम के वाउटर ब्यूटार्ट, अमेरिका के जेफरी पी. माइनियर, जॉर्डन के अवन शौकत अल-खसावनेह और ऑस्ट्रेलिया के डोनाल्ड ब्लैकमोर शामिल हैं।

पहला अहम नाम-डोनाल्ड ब्लैकमोर। 2011 में पाकिस्तान सरकार ने उन्हें जल क्षेत्र से जुड़े सलाहकार के रूप में नियुक्त किया था। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन के अनुसार, ब्लैकमोर को पाकिस्तान की जल परियोजनाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर समर्थन जुटाने के उद्देश्य से बनाए गए जल क्षेत्र कार्यबल में सलाहकार बनाया गया था। उनके पास सिंधु समेत दुनिया की कई प्रमुख नदी प्रणालियों पर काम करने का अनुभव था।

दूसरा नाम-अवन शौकत अल-खसावनेह। वह जॉर्डन के पूर्व न्यायाधीश हैं और इस मामले में उन्हें पाकिस्तान ने अपने दो मध्यस्थों में से एक के तौर पर नियुक्त किया था। मूल प्रक्रिया में पाकिस्तान ने 2016 में डोनाल्ड ब्लैकमोर और जज ब्रूनो सिम्मा



को नियुक्त किया था। बाद में सिम्मा के उपलब्ध न होने पर अक्टूबर 2022 में पाकिस्तान ने उनकी जगह अल-खसावनेह को नियुक्त किया। यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब भारत ने इस पूरी मध्यस्थता प्रक्रिया में भाग ही नहीं लिया और अपने हिस्से के मध्यस्थ नियुक्त नहीं किए, तब पाकिस्तान द्वारा नियुक्त दोनों सदस्य पीठ का हिस्सा कैसे बने? PCA के दस्तावेज बताते हैं कि भारत ने नियुक्ति प्रक्रिया में भाग नहीं लिया था। हालांकि, इसे सीधे “दो जज पाकिस्तान के प्रभाव में थे” कहना उपलब्ध तथ्यों से साबित नहीं होता। असली विवाद पीठ की वैधता, नियुक्ति प्रक्रिया और भारत की गैर-भागीदारी को लेकर है। यही वह बिंदु है जिस पर भारत सरकार ने पूरे निर्णय को चुनौती दी है।

सबसे तीखा सवाल: जिस विवाद में भारत पक्षकार है, भारत ने मध्यस्थता को स्वीकार ही नहीं किया, फिर पाकिस्तान की ओर से नियुक्त दो सदस्य पांच सदस्यीय पीठ में निर्णायक भूमिका तक कैसे पहुंचे? यही इस पूरे फैसले की सबसे विवादास्पद कड़ी है।

रेल सुरक्षा और यात्री सुविधाओं पर बड़ा दांव, गुजरात से बंगाल तक 675 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। रेलवे नेटवर्क को अधिक सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए केंद्र ने अलग-अलग जोन में करोड़ों रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं का फोकस सिर्फ ट्रेनों की आवाजाही बढ़ाने पर नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, माल ढुलाई की क्षमता और यात्रियों की सुविधाओं को मजबूत करने पर भी है। गुजरात के भावनगर पारा यार्ड के पुनर्निर्माण के लिए 125 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत की गई है। यार्ड के आधुनिकीकरण से ट्रेनों के संचालन और माल ढुलाई की व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल में आद्रा और जॉयचंदीपहाड़ के बीच 272 करोड़ रुपये की लागत से बाईपास लाइन बनाई जाएगी। इसका बड़ा उद्देश्य मालगाड़ियों की आवाजाही को सुगम बनाना और मौजूदा रेल मार्ग पर दबाव कम करना है। इससे माल परिवहन की क्षमता बढ़ने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद मंडल में ट्रेन टक्कर रोकने वाली स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 के विस्तार के लिए 170 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। यह परियोजना रेल संचालन को तकनीकी रूप से ज्यादा सुरक्षित बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। वहीं बिहार के समस्तीपुर मंडल के 21 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली लगाने के लिए 233 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह व्यवस्था सिग्नल और ट्रेन संचालन को अधिक सुरक्षित बनाने में मदद करती है। इन परियोजनाओं पर कुल 800 करोड़ रुपये से अधिक खर्च का प्रावधान बनता है। ऐसे में दिए गए आंकड़ों में 675

जिला जजों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने से 10 राज्यों को ऐतराज,

यूपी समेत विरोध में कौन-कौन? जानिए पूरा मामला

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। जिला न्यायपालिका के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र 60 से बढ़ाकर 61 या 62 वर्ष करने का मामला सुप्रीम कोर्ट में निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस मुद्दे पर दोबारा विचार करने को कहा है। 1 सितंबर 2026 की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि 10 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश अभी भी उम्र बढ़ाने के विरोध में हैं।

कौन-कौन से 10 राज्य विरोध में?— सुप्रीम कोर्ट



को दी गई स्थिति के मुताबिक पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, केरल, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जिला जजों

की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। वहीं कई राज्य अभी विचार कर रहे हैं और तेलंगाना, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और सिक्किम समेत कुछ राज्य बढ़ोतरी के पक्ष में बताए गए हैं।

राज्यों की आपत्ति क्या है?— विरोध करने वाले राज्यों की मुख्य दलील दो आधारों पर रही है। पहला—अगर न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाई गई तो उनकी और दूसरे राज्य सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति उम्र में अंतर बढ़ जाएगा। दूसरा—इससे राज्य के खजाने पर अतिरिक्त वित्तीय

बोझ पड़ सकता है।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट इन तर्कों से सहमत नजर नहीं आया। अदालत ने कहा कि न्यायिक अधिकारी अलग श्रेणी हैं और उन्हें सामान्य सरकारी कर्मचारियों के साथ समान रूप से नहीं देखा जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि अनुभवी न्यायिक अधिकारियों को बनाए रखना नए अधिकारियों की भर्ती, प्रशिक्षण और पेंशन भुगतान की तुलना में जरूरी नहीं कि ज्यादा महंगा हो। अब आगे क्या होगा?— सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को अपना रुख दोबारा देखने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था।

8,775 रुपये के कर्ज पर 10.31 एकड़ जमीन नीलाम, दो अफसरों को तीन-तीन साल की सजा

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

मध्य प्रदेश में सहकारिता विभाग का चौकाने वाला मामला सामने आया है। महज 8,775 रुपये के कर्ज की वसूली के लिए किसान की 10.31 एकड़ जमीन नीलाम कर दी गई। आरोप है कि अधिकारियों ने नियमों को ताक पर रखकर जमीन को कम कीमत में नीलाम किया और अपने पद



का दुरुपयोग किया। अब इस मामले में लोकायुक्त की विशेष अदालत ने सहकारिता विभाग के दो अधिकारियों को तीन-तीन साल के कारावास की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक हेमलता कुशवाहा के अनुसार, 29 अगस्त 2026 को

विशेष न्यायालय के न्यायाधीश मनोज कुमार की अदालत ने जिला सहकारी एवं ग्रामीण विकास बैंक के विक्रय अधिकारी विजेंद्र कुमार कौशल और सहकारिता विभाग के उप पंजीयक अशोक मिश्रा को दोषी ठहराया। अदालत के सामने यह आरोप साबित हुआ कि दोनों अधिकारियों ने निर्धारित नियमों का उल्लंघन करते हुए किसान की जमीन को कम कीमत पर नीलाम किया और अपने पद का दुरुपयोग किया। किसान की शिकायत के बाद मामले में धोखाधड़ी, षडयंत्र और फर्जी दस्तावेज तैयार करने सहित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।

अदालत ने दोनों अधिकारियों को तीन-तीन वर्ष के कारावास के साथ अर्थदंड भी लगाया है। मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि जिस किसान की 10.31 एकड़ जमीन नीलाम हुई, उसके खिलाफ कार्रवाई की शुरुआत महज 8,775 रुपये के कर्ज से हुई थी। अब अदालत के फैसले ने सरकारी तंत्र में गरीब और छोटे कर्जदारों के साथ होने वाली कार्रवाई पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। अरबों के कर्ज पर राहत और हजारों के कर्ज पर जमीन—क्या कानून का तराजू सबके लिए बराबर है?

फर्जी कागज, बैंक से कर्ज और फिर निवेश का खेल! ईडी ने 3.31 करोड़ के म्यूचुअल फंड किए अटैच

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

बैंक से कर्ज लेने के लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल और उस रकम को निवेश के रास्ते आगे बढ़ाने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने अक्षता मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े धनशोधन मामले में 3.31 करोड़ रुपये की म्यूचुअल फंड यूनिट्स अटैच की हैं। कार्रवाई धनशोधन निवारण कानून के तहत की गई है। जांच एजेंसी के मुताबिक मामले की शुरुआत करीब 3 करोड़ रुपये के बैंक कर्ज से जुड़ी कथित धोखाधड़ी से हुई। आरोप है कि कर्ज हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। इसके बाद करीब 1 करोड़ रुपये एचडीएफसी म्यूचुअल फंड

में निवेश किए गए। समय के साथ इस निवेश की कीमत बढ़कर करीब 3.31 करोड़ रुपये हो गई। यहीं जांच का असली सिरा सामने आता है। बैंक से कथित तौर पर गलत तरीके से हासिल रकम अगर निवेश में पहुंची, तो सवाल सिर्फ कर्ज लेने वाले पर नहीं बल्कि पूरे लेनदेन की निगरानी व्यवस्था पर भी उठता है। बैंक ने दस्तावेजों की जांच कैसे की? कर्ज जारी करने से पहले सत्यापन किस स्तर पर हुआ? और इतनी बड़ी रकम निवेश खाते तक पहुंचने के बाद निगरानी तंत्र को भनक क्यों नहीं लगी? ईडी की कार्रवाई फिलहाल संपत्ति अटैच करने तक है। मामले में आरोपों की अंतिम पुष्टि अदालत में होने वाली न्यायिक प्रक्रिया से होगी। लेकिन यह प्रकरण एक बार फिर सवाल छोड़ता है—कागज फर्जी हों तो बैंक का सिस्टम असली जांच कब करता है?



एनएचआई टोल वसूली में बड़ा खेल? ईडी ने 7 राज्यों में 14 ठिकानों पर मारा छापा

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल वसूली में कथित धोखाधड़ी और पैसों की हेराफेरी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को बड़ा अभियान चलाया। ईडी ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और पश्चिम बंगाल में करीब 14 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई।

अधिकारियों के मुताबिक केंद्रीय एजेंसी ने इस मामले में दर्ज दो पुलिस प्राथमिकी को आधार बनाकर धनशोधन की जांच शुरू की है। ईडी की लखनऊ क्षेत्रीय इकाई ने बुधवार सुबह विभिन्न संदिग्धों से जुड़े परिसरों पर कार्रवाई शुरू की।



जांच का केंद्र एनएचआई के अलग-अलग टोल प्लाजा पर हुई कथित अनियमित टोल वसूली

और उससे जुड़े धन के लेनदेन हैं। इस मामले की जड़ें इससे पहले हुई पुलिस जांच तक जाती

हैं। 2025 में उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल की जांच में टोल वसूली में कथित फर्जी सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल और रकम को निजी खातों की ओर मोड़ने का मामला सामने आया था। जांच के बाद एनएचआई ने 14 टोल संग्रह एजेंसियों पर कार्रवाई की थी और अनियमितताओं को लेकर जुर्माना भी लगाया था।

अब ईडी यह पता लगाने में जुटी है कि कथित टोल धोखाधड़ी से हासिल रकम कहां गई, किन लोगों या कंपनियों तक पहुंची और क्या इस धन को वैध दिखाने के लिए कोई वित्तीय लेनदेन किया गया। *टोल की हर गाड़ी से वसूली गई रकम का हिसाब सरकारी तंत्र तक पहुंचना चाहिए था। अब सवाल यही है—सड़क पर जनता से वसूला गया पैसा आखिर किसकी जेब में जा रहा था?*

भरपेट खाना खाने के बाद फिर क्यों लगती है भूख? शरीर देता है ये संकेत



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

कई लोगों के साथ ऐसा होता है कि वे भरपेट खाना खाने के बावजूद कुछ ही देर बाद फिर भूख

महसूस करने लगते हैं। इसे हमेशा सिर्फ पेट की बीमारी मान लेना सही नहीं है। कई बार इसकी वजह हमारी खानपान की आदतें और शरीर में होने वाले बदलाव होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार भोजन

में अगर प्रोटीन और फाइबर की मात्रा कम हो और रोटी, चावल, मिठाई या अन्य कार्बोहाइड्रेट ज्यादा हों, तो शरीर को जल्दी ऊर्जा तो मिलती है, लेकिन पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस नहीं करता। इससे थोड़ी देर बाद दोबारा खाने की इच्छा पैदा हो सकती है।

कभी-कभी असली भूख की जगह प्यास, तनाव, चिंता या बोरियत भी खाने की इच्छा पैदा करती है। पर्याप्त नींद न लेना भी भूख नियंत्रित करने वाले हार्मोन को प्रभावित कर सकता है।

यही वजह है कि रातभर ठीक से न सोने के बाद लोगों को ज्यादा खाने का मन करता है। हालांकि, अगर बार-बार तेज भूख लगने के साथ अत्यधिक प्यास, बार-बार पेशाब आना, अचानक वजन कम होना, कमजोरी या हाथ कांपने जैसी समस्याएं भी हों, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

लौकी नहीं, कच्चे केले के कोपतों का स्वाद चखिए, राजस्थान की पारंपरिक रेसिपी करेगी सबको खुश



लौकी के कोपते भारतीय रसोई में आम हैं, लेकिन अगर रोज-रोज एक ही स्वाद से मन भर गया है तो इस बार कच्चे केले के कोपते आजमाए जा सकते हैं। राजस्थान की पारंपरिक रसोई में बनने वाली यह डिश स्वाद और बनावट के कारण खास मानी जाती है।

मसालों से तैयार मुलायम कोपते और गाढ़ी ग्रेवी का मेल खाने की थाली का स्वाद बदल सकता है।

इसे बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे केले उबालकर छील लें और अच्छी तरह मैश कर लें। इसमें बेसन, बारीक कटी हरी मिर्च, अदरक, धनिया, नमक और पसंद के अनुसार हल्के मसाले मिलाएं। मिश्रण से छोटे-छोटे गोले बनाकर तैयार करें। इन्हें कम या मध्यम आंच पर तलने से कोपते बाहर से सुनहरे और अंदर से नरम बनते हैं।

ग्रेवी के लिए तेल में जीरा और साबुत मसालों का तड़का लगाकर प्याज, अदरक-लहसुन और टमाटर का मसाला पकाएं। हल्दी, धनिया, लाल मिर्च और अन्य मसाले डालकर अच्छी तरह भूनें। जरूरत के अनुसार पानी मिलाकर ग्रेवी तैयार करें और आखिर में कोपते डालें। ध्यान रखें कि कोपतों को बहुत देर तक ग्रेवी में न पकाएं, वरना वे टूट सकते हैं। रोटी, परांठे या चावल के साथ परोसी जाने वाली यह पारंपरिक डिश घर के बच्चों से लेकर बड़ों तक को पसंद आ सकती है।

क्या गंभीर एंजायटी से झड़ने लगते हैं बाल?

जानिए त्वचा विशेषज्ञ क्या कहते हैं

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में चिंता और तनाव को अक्सर मामूली बात मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन जब एंजायटी लंबे समय तक बनी रहे या गंभीर रूप ले ले, तो उसका असर सिर्फ मानसिक स्थिति तक सीमित नहीं रहता। शरीर और बालों की सेहत भी इससे प्रभावित हो सकती है। त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार लगातार तनाव और गंभीर एंजायटी शरीर के सामान्य संतुलन को बिगाड़ सकती है।

लंबे समय तक मानसिक दबाव रहने पर बालों के बढ़ने और झड़ने के प्राकृतिक चक्र पर असर पड़ सकता है। कई मामलों में तनाव के बाद अचानक बाल ज्यादा मात्रा में झड़ने लगते हैं, जिसे चिकित्सकीय भाषा में टेलोजन एफ्लुवियम कहा जाता है। हालांकि हर हेयर फॉल का कारण एंजायटी नहीं होती। शरीर में आयरन या अन्य पोषक तत्वों की कमी, थायरॉइड की समस्या, हार्मोन में बदलाव, आनुवंशिक कारण और कुछ बीमारियां भी बाल झड़ने की वजह बन सकती हैं।



इसलिए केवल तनाव को जिम्मेदार मानकर इलाज शुरू करना सही नहीं है।

विशेषज्ञ सलाह देते हैं

अगर बाल अचानक तेजी से झड़ रहे हों, सिर में खाली जगह दिखने लगे या लंबे समय तक समस्या बनी रहे, तो त्वचा विशेषज्ञ से जांच करानी चाहिए। साथ ही पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और तनाव को नियंत्रित करने की कोशिश भी जरूरी है। बालों का झड़ना कई बार शरीर की अंदरूनी परेशानी का संकेत हो सकता है, इसलिए इसे केवल सौंदर्य की समस्या समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।

युवाओं में फैटी लिवर

का बढ़ता खतरा, हर 10 में

करीब 4 प्रभावित; बच्चों के

आंकड़े भी चिंताजनक

नई दिल्ली। भारत में गैर-संचारी रोगों का बढ़ता बोझ अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रह गया है। फैटी लिवर जैसी समस्या युवाओं और बच्चों में भी तेजी से चिंता का कारण बन रही है। एम्स के अध्ययन के मुताबिक भारत में करीब 38.6 प्रतिशत युवा और 35.4 प्रतिशत बच्चे फैटी लिवर से प्रभावित पाए गए हैं। यानी युवाओं में लगभग हर 10 में से चार और बच्चों में भी करीब एक-तिहाई से ज्यादा आबादी इस समस्या की चपेट में है। फैटी लिवर को अक्सर सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन लंबे समय तक लिवर में वसा जमा रहने पर यह सूजन, लिवर में क्षति और आगे चलकर गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। चिंता इसलिए भी बढ़ती है क्योंकि शुरुआती चरण में इसके लक्षण अक्सर स्पष्ट नहीं होते। विशेषज्ञों के अनुसार असंतुलित खानपान, शारीरिक गतिविधि की कमी, मोटापा और बढ़ता स्क्रीन टाइम बच्चों और युवाओं की जीवनशैली को प्रभावित कर रहे हैं।

चेहरे की चमक बढ़ाएगा अपराजिता का फूल! घर पर बनाएं आसान फेस पैक और स्किन केयर मिश्रण

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नीले रंग के खूबसूरत अपराजिता के फूल सिर्फ बगीचे की शोभा बढ़ाने के लिए नहीं हैं। इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण इन्हें त्वचा की देखभाल में भी इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि बाजार के महंगे सौंदर्य उत्पादों की तरह इसे चमत्कारी इलाज मान लेना भी सही नहीं है। घर पर स्किन केयर मिश्रण बनाने के लिए साफ और कीटनाशक-मुक्त अपराजिता के कुछ फूल लें। इन्हें पानी से अच्छी तरह धोकर पीस लें और थोड़ा गुलाबजल मिलाकर पतला मिश्रण तैयार करें। इसे चेहरे पर लगाने से पहले त्वचा

के छोटे हिस्से पर परीक्षण जरूर करें, क्योंकि प्राकृतिक चीजों से भी एलर्जी हो सकती है। फेस पैक बनाने के लिए फूलों के पेस्ट में दही या एलोवेरा जेल मिलाया जा सकता है।

इसे चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं और कुछ मिनट बाद सामान्य पानी से धो लें। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को खास सावधानी बरतनी चाहिए। अपराजिता में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को बाहरी प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन झुर्रियां मिटाने, दाग पूरी तरह खत्म करने या रातोंरात चेहरा चमकाने जैसे दावों के वैज्ञानिक प्रमाण सीमित हैं।

बिना ज्यादा घिसे चमकेंगे तांबा-पीतल के बर्तन, ये आसान तरीके आएंगे काम

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

पूजा-पाठ या त्योहारों की तैयारी में अक्सर सालभर अलमारी में रखे तांबे, पीतल और चांदी के बर्तन बाहर निकलते हैं। लेकिन इन्हें देखते ही सबसे बड़ी चिंता होती है—काली पड़ चुकी सतह को साफ कैसे किया जाए? अच्छी बात यह है कि हर बार घंटों बैठकर जोर-जोर से घिसने की जरूरत नहीं होती। तांबे के बर्तनों पर जमी काली परत हटाने के लिए नींबू और नमक का इस्तेमाल किया जा सकता है। नींबू के रस में मौजूद अम्लीय तत्व दाग को ढीला करने में मदद करते हैं। हल्के

हाथ से लगाने के बाद पानी से धोकर तुरंत सुखा दें।

पीतल के बर्तनों के लिए नींबू और नमक या इमली का पतला घोल उपयोगी माना जाता है। मिश्रण को कुछ मिनट सतह पर लगाकर छोड़ दें, फिर मुलायम कपड़े से पोंछकर साफ पानी से धो लें। ज्यादा देर तक अम्लीय चीजें लगी रहने से सतह प्रभावित हो सकती है। चांदी के बर्तनों को साफ करने के लिए हल्के साबुन वाले गुनगुने पानी और मुलायम कपड़े का इस्तेमाल सबसे सुरक्षित विकल्पों में माना जाता है। नक्काशीदार या कीमती बर्तनों पर तेज रसायन प्रयोग करने से बचें।

गांव हो या शहर, बारिश ने ढाया कहर

● यूपी-एमपी से लेकर बंगाल तक भारी बारिश ने मचाया आतंक ● उत्तराखंड में 12 लोगों की मौत, बिहार में छाया बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। नैनी झील का जलस्तर 88 फीट पार होने के बाद चैनल खोल दिए गए हैं। राज्य में 172 सड़कें बंद हैं। नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में आज ऑरेंज अलर्ट है। पांच जिलों में स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं। इधर, बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य में गंगा-पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में सुबह से बारिश हो रही है।



मंगलवार को तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। भागलपुर में 100 साल पुराना दुर्गा मंदिर कटाव के चलते गंगा में समा गया। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में गंगा में नहाते समय दो नाबालिग बह गईं। उन्नाव में बारिश के बाद गंगा

एक्सप्रेसवे पर करीब 7 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इस मानसून में गंगा एक्सप्रेसवे धंसने की यह दूसरी घटना है। वहीं, बलिया में करीब 20 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉंग मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में भारी बारिश हो रही है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर है। रामघाट की करीब 400 दुकानें और 20-25 होटल डूब गए हैं। सतना में 2 और 3 सितंबर को स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन का लोको शेड ढहा

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन के लोको शेड का एक हिस्सा बुधवार को लगातार हो रही भारी बारिश के बीच ढह गया, जिससे वहां काम कर रहे आठ कर्मचारी घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। युनेस्को की विश्व धरोहर



में शामिल दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे के प्रभावित कर्मचारियों को चिकित्सकीय उपचार दिया गया। डीएचआर के एक अधिकारी ने बताया कि किसी भी कर्मचारी को गंभीर चोट नहीं आई है। हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान अब तक 259 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य

आपातकालीन संचालन केंद्र के मुताबिक, 30 जून से 1 सितंबर के बीच 64 दिनों में सरकारी और निजी संपत्तियों को 1,200 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। छत्तीसगढ़ में मानसून फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।

सही समय पर पड़ोसी देशों ने मदद पहुंचाई, धन्यवाद

नेपाली पीएम शाह ने संसद में भारत को कहा शुक्रिया

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने बाढ़ के मुश्किल समय में मदद के लिए भारत का शुक्रिया अदा किया है। भारत के साथ-साथ चीन को भी शाह ने धन्यवाद दिया है। नेपाल में बीते महीने के आखिरी में आई बाढ़ से भारी तबाही मची है, जिसके बाद पड़ोसी देशों ने नेपाल की दिल खोलकर मदद की है। बाढ़ के बाद कई स्तरों पर जिन देशों ने नेपाल की बढ़-चढ़कर मदद की, उसमें चीन और भारत का नाम सबसे प्रमुख है।



बुधवार को नेपाल की संसद में बोलते हुए पीएम बालेन शाह ने कहा कि इतनी बड़ी आपदा के समय अंतरराष्ट्रीय मदद लेने से इनकार करने का सवाल ही नहीं उठता था। नेपाल ने समय पर मदद पाने के लिए निजी क्षेत्र में दूसरे देशों के साथ तालमेल बिठाया। भारत और चीन ने हमें मदद रहते मदद पहुंचाई, जिससे बहुत चीजें समय रहते संभव हो सकीं। नेपाली प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा, हमारे मित्र देशों, चीन और भारत ने टेक्नीशियन भेजे थे।

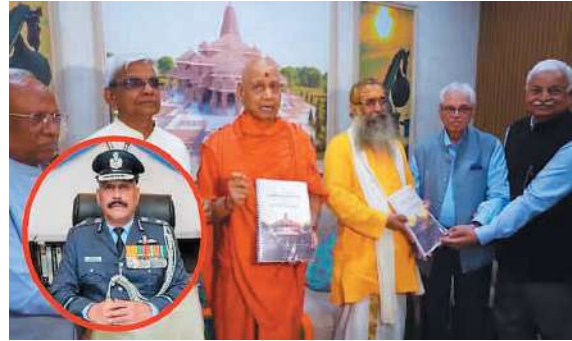
मुश्किल समय में नेपाल के साथ खड़ा रहा भारत

26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर टूटने से नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत की ओर से मदद की जा रही जह है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को बताया कि नेपाल के लिए भारत का पांचवां राहत विमान रवाना हुआ है। यह विमान 11 सदस्यीय बचाव दल, विशेष बचाव उपकरणों और 5.5 टन जरूरी दवाइयों के साथ नेपाल भेजा गया है। नेपाल की मदद के लिए भारत अब तक 68 टन से अधिक राहत सामग्री और विशेष बचाव दल भेज चुका है। भेजी गई राहत सामग्री में कंबल, स्लीपिंग बैग, मजबूत तिरपाल, प्लास्टिक शीट और हाइजीन किट शामिल हैं।

राममंदिर ट्रस्ट के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा

ऑपरेशन सिंदूर में पश्चिमी कमान को लीड किया था, देवरिया के रहने वाले

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को अयोध्या राम मंदिर का पहला सीईओ (चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर) बनाया है। बुधवार को हुई ट्रस्ट की बैठक में उनके नाम का ऐलान किया गया। देवरिया के रहने वाले जितेंद्र मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर में पश्चिमी वायु कमान को लीड किया था।



सांसद दिनेश शर्मा बोले- यह ट्रस्ट का अपना फैसला

इस बीच राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। इस मुद्दे पर भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट एक स्वतंत्र संस्था है, जिसे न्यायालय के फैसले के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत बनाया गया था। उनके कामकाज के लिए उनका अपना संविधान है, इसलिए वे उसका पालन करते हुए जो भी कानूनी रूप से सही फैसला लेंगे, मेरा मानना है कि वह धार्मिक भावनाओं का पूरा सम्मान करेगा। यह उनका अपना फैसला होगा और किसी भी अन्य व्यक्ति को इस पर किसी भी तरह से टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। दिनेश शर्मा ने स्पष्ट किया कि राम मंदिर आस्था का केंद्र है और ट्रस्ट का हर निर्णय भक्तों की भावनाओं को ध्यान में रखकर ही लिया जाएगा। बाहरी लोगों को इस पर अनावश्यक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

बिहार के मंत्री ने पारदर्शिता पर दिया जोर

वहीं, पटना में बिहार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने भी राम मंदिर में पारदर्शिता की बात पर जोर दिया। राम मंदिर के पहले सीईओ की नियुक्ति पर उन्होंने कहा, राम मंदिर को लेकर सरकार का स्पष्ट रुख है कि वहां किसी भी हाल में कोई अनियमितता नहीं होनी चाहिए। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में भी बहुत तेजी से कार्रवाई की गई और अब सीईओ की नियुक्ति हो गई है। दूसरी तरफ, कांग्रेस ने इस नियुक्ति पर सवाल खड़े किए हैं। लखनऊ में कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने चढ़ावा चोरी मामले का जिक्र करते हुए ट्रस्ट पर हमला बोलते हुए कहा, ट्रस्ट ने लोगों के भरोसे को तोड़ा है।

यूपी के 3.5 लाख कर्मचारियों की सैलरी 7 हजार बढ़ी

50 लाख तक बीमा मिलेगा, योगी ने आउटसोर्स सेवा निगम की शुरुआत की

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी आउटसोर्स सेवा निगम की वेबसाइट का बुधवार को सीएम योगी ने लोकार्पण किया। उन्होंने निगम के लोगो का अनावरण करने के साथ आउटसोर्स कर्मचारियों को चेक भी बांटे। निगम के शुरू होने के साथ प्रदेश के 3.5 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में 7 हजार रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। पहले 13 हजार रुपए प्रतिमाह मिलता था, अब यह 20 हजार तक कर दी गई है। इसके अलावा कर्मचारियों को 50 लाख रुपए तक का बीमा कवर भी मिलेगा। आकस्मिक दवा के लिए 5 लाख और एयर एम्बुलेंस के लिए 10 लाख रुपये की सहायता मिलेगी। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा- हर आउटसोर्स कर्मचारी को उसकी मेहनत के अनुरूप मानदेय मिलेगा। पहले तो उनको पता ही नहीं चलता था कि कितना मानदेय मिल रहा है। हम लोग जाते थे और कर्मचारी से पूछते थे कि कितना मानदेय मिल रहा है। वह बताता था कि कागज पर 9 हजार



रुपये है, लेकिन उसे 6 हजार रुपये ही मिल रहे हैं। बाकी रुपये कहां जाते हैं। उन्होंने बताया कि कोई आउटसोर्स कंपनी मनमाने तरीके से कर्मचारी को निकाल नहीं सकती। अगर किसी कर्मचारी को निकालना है तो कंपनी को सरकार को रिपोर्ट करना होगा। सरकार जांच करेगी, उसके बाद ही कोई कार्रवाई हो सकेगी।

हमारी व्यवस्था पहले तीन खेमों में बंटी थी- सीएम योगी ने कहा- पहले हमारी व्यवस्था तीन खेमों में बंटी थी। एक तरफ कार्मिक कर्मचारी होता था, दूसरी तरफ एजेंसी होती थी और तीसरी ओर सरकार होती थी। अक्सर हमारे कर्मचारी को अपनी समस्या लेकर अलग-अलग दरवाजों पर जाना होता था। लेकिन समाधान नहीं होता था।

अब कर्मचारी अकेला नहीं है, सरकार उसके साथ

सीएम ने कहा कि कर्मचारी को महसूस होना चाहिए कि उसके बेहतर काम का रिकॉर्ड रखा जा रहा है और उसके भविष्य को सुरक्षित रखने का ध्यान रखा जा रहा है। कर्मचारी अकेला नहीं है। उसे समय पर वेतन मिले और उसकी भविष्य निधि सुरक्षित रहे। हमारा मानना है कि सामाजिक भेदभाव दूर करने के लिए आर्थिक भेदभाव को दूर करना चाहिए। जब कोई व्यक्ति काम कर रहा है तो उसे उसके काम के अनुरूप सम्मान भी मिलना चाहिए। उसे सामाजिक सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए। कोई दुर्घटना होने पर वह अकेला न हो, बल्कि उसके साथ एक सुरक्षा कवर भी हो। सीएम योगी ने कहा कि आउटसोर्स कर्मियों के खाते में भविष्य निधि का पैसा भी जमा होगा। जब एक उम्र के बाद आप रिटायर होंगे तो आपको भविष्य के लिए पूंजी प्राप्त होगी। कोई एजेंसी आपको मनमाने तरीके से निकाल नहीं सकती। यदि ईएसआई के तहत कैशलेस इलाज की सुविधा नहीं मिल पाएगी तो हम आपको आयुष्मान योजना से जोड़ देंगे। दूसरी तरफ, हमने स्टेट बैंक के साथ एमओयू किया है। इसमें अलग-अलग वेतन पाने वाले कर्मचारियों को दुर्घटना या आपदा की स्थिति में 20 लाख से 50 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा कवर परिवार को दिलाया जाएगा। यदि कोई अग्निकांड का शिकार होता है तो 10 लाख रुपये की सहायता मिलेगी। आकस्मिक दवा के लिए 5 लाख और एयर एम्बुलेंस के लिए 10 लाख रुपये की सहायता मिलेगी। जीवन में कोई बड़ी अनहोनी होती है तो सरकार परिवार के साथ खड़ी है। पुत्र की शिक्षा के लिए 5 लाख और पुत्री की शिक्षा के लिए 8 लाख रुपये दिए जाएंगे। बेटी की शादी के लिए भी सहायता मिलेगी। हम आउटसोर्स वर्कफोर्स को ऑर्गेनाइज्ड करने जा रहे हैं।